आज दिनांक 09.08.2016 को जिलास्तरीय कृषि टास्क फोर्स की बैठक मो0 सोहैल (भा0प्र0से0) जिलाधिकारी, मधेपुरा की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। जिसकी कार्यवाही निम्न प्रकार है।

उपस्थितिः–पंजी के अनुसार

जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की गई।

कृषि विभाग

बैठक में उपस्थित सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी एवं कृषि समन्वयक से आच्छादन, वर्षा की स्थिति, बाढ़ से संबंधित प्रखंडों एवं विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गयी।

समीक्षा के क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी, मधेपुरा द्वारा बताया गया कि जिले का सामान्य वर्षापात 310.3 एम0एम0 है। अब तक 90.08 एम0एम0 के विरूद्ध 27.3 एम0एम0 बारिश हुई है जो सामान्य से 62.78 एम0एम0 कम है।

सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि अभी सुखाड़ जैसी समस्या उत्पन्न नहीं हो रही है। यदि लगातार दस दिनों तक बारिश नहीं होती है तो सुखाड़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

जिला कृषि पदाधिकारी, मधेपुरा द्वारा बताया गया कि धान की रोपणी का लक्ष्य 63000 हे0 है, के विरूद्ध 60259 हे0 में आच्छादन हुआ है, पटुआ कटनी के उपरांत रोपणी कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

आलमनगर एवं चौसा प्रखंड में बाढ़ के कारण हुई क्षति की समीक्षा के क्रम में प्रखंड कृषि पदाधिकारी, आलमनगर द्वारा बताया गया कि 2403 हे0 में लगी फसल पूर्ण रूप से प्रभावित है। इसमें प्रभावित कृषकों की संख्या 3400 है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी, चौसा द्वारा बताया गया कि 867 हे0 में लगी फसल पूर्ण रूप से प्रभावित है। इसमें प्रभावित कृषकों की संख्या 2634 है।

आच्छादित रकवा एवं पूर्ण प्रभावित रकवा का प्रतिवेदन अस्पष्ट है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी, चौसा एवं आलमनगर, प्रभावित क्षेत्रों का कृषि समन्वयक एवं किसान सलाहकार के माध्यम से जाँच कराकर जाँच प्रतिवेदन अगले कृषि टास्क फोर्स की बैठक में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। प्रखंड कृषि पदाधिकारी स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में पानी की स्थिति का आकलन कर अद्यतन स्थिति की जानकारी जिला कृषि पदाधिकारी, मधेपुरा को उपलब्ध सुनिश्चित करेंगे।

अतिवृष्टि से प्रभावित प्रखंड मुरलीगंज, बिहारीगंज, कुमारखंड, पुरैनी एवं ग्वालपाड़ा की समीक्षा के क्रम में मुरलीगंज –302 हे0, कुमारखंड –481 हे0, बिहारीगंज– 43, पुरैनी–445 एवं ग्वालपाड़ा– 460 हे0 में फसल प्रभावित होने से सम्बंधित प्रतिवेदन पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी, कुमारखंड द्वारा बताया गया कि अधिक प्रभावित पंचायत कुमारखंड, मंगरवारा तथा कम प्रभावित पंचायत बेलारी एवं लक्ष्मीपुर चंडीस्थान है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी, मुरलीगंज द्वारा बताया गया कि अधिक प्रभावित पंचायत दीनापट्टी एवं जीतापुर तथा कम प्रभावित पंचायत रजनी एवं तमौट परसा है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी, ग्वालपाड़ा द्वारा बताया गया कि अधिक प्रभावित पंचायत शाहपुर एवं रेशना तथा कम प्रभावित पंचायत वीरगांव चतरा एवं पीरनगर है। उक्त तीनों प्रखंडों में से कुमारखंड प्रखंड के कुमारखंड एवं बेलारी एवं मुरलीगंज प्रखंड के जीतापुर एवं रजनी एवं ग्वालपाड़ा प्रखंड के रेशना एवं वीरगांव चतरा की सूची जाँच हेतु उपलब्ध कराये।

नलकूपः–

समीक्षा के क्रम में सहायक अभियंता लघु सिंचाई प्रमंडल, मधेपुरा द्वारा बताया गया कि वर्त्तमान में 41 नलकूप चालू स्थिति में है एवं 3 नलकूप विद्युत